डाक पंजीयन सं. जयपुर सिटी/101/2020-22
R.N.I. No. RAJHIN/2014/56746
मीडिया दृष्टिकोण
वर्ष : 09 > अंक : 50 > मूल्य: 10 रुपए >पृष्ठ : 08

हिलव्यू समाचार

fff
-शालिनी श्रीवास्तव
website: www.hsnews.in
साप्ताहिक समाचार पत्र
जयपुर, बुधवार, 14 जून 2023

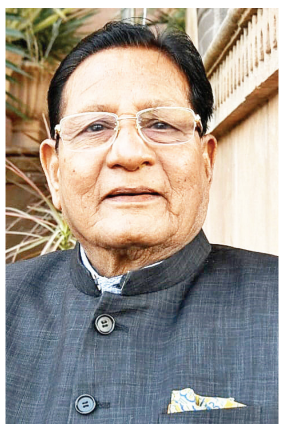

यूडीएच मंत्री शांति धारीवाल अवैध निर्माणों और सरकारी भूमियों पर अतिक्रमणों के मामलों में चुप्पी साधे हुए हैं.....क्यों?

(खाईवाली के धंधे में बर्बाद राजापार्क जयपुर)

पंचवटी सर्कल के भूमाफ़िया खाईवाल बनकर भी खा रहे निजी ज़मीनें और निजी संपत्तियों को

राजापार्क की जनता बनी युधिष्ठिर और भूमाफ़िया बने दुर्योधन-दुशासन ज़मीनें हुईं पांचाली और सरकार बनी धृतराष्ट्र

बब्रूवाल कमेटी की करोड़ों की ज़मीन, पुराने सरकारी डाकघर व सरकारी स्कूल की ज़मीन को हथियाने वाले ये भूमाफ़िया खाईवाल के धंधे में भी हैं धुरंधर!

शालिनी श्रीवास्तव
जयपुर (हिलव्यू समाचार)। हिलव्यू समाचार की मुहिम के तहत राजापार्क पंचवटी सर्कल के अतिक्रमण और अवैध निर्माण की सुर्खियाँ लगातार शासन-प्रशासन को चेता रही है। सरकार की करोड़ों की ज़मीन को गिरवी रखकर,रहन पर रख कर,लाखों के किराए पर चढ़ाकर भूमाफ़िया गैंग कोड़ी से करोड़पति वर्ग में बदल गयी है।

इसी के साथ सट्टे का सत्यानाशी धंधा करके आधे राजापार्क-सिंधी कॉलोनी, गुरुनानकपुरा को ये खाईवाल भूमाफ़िया बर्बाद कर चुके हैं। करोड़ों के मकान या ज़मीन के अकेले-दुकेले मालिकों पर नज़र रखते हैं। उनको कर्ज़ में उलझाते हैं फिर सट्टे खाईवाली में करोड़ों कमाने का लालच देकर उनका बचा-खुचा धन सट्टेबाजी में लगवाते हैं फिर वही लाखों रुपये हरवाकर उनकी संपत्ति को दांव पर लगवाते हैं उसके बाद उनकी मज़बूरी को जकड़कर निचोड़ते हैं फिर उस पीड़ित बर्बाद परिवार को उसकी संपत्ति से भगाकर दर-बदर मरने के लिए छोड़ देते हैं।

गहलोत सरकार का निकम्मापन सबसे ज़्यादा अवैध निर्माणों व अतिक्रमणों के मामले में देखा जा सकता है। पूरी राजधानी जैसे द्रौपदी की तरह चीरहरण का शिकार हो गयी है। आम जनता खाईवालों के धंधे में उलझकर हारा हुआ युधिष्ठिर बन बैठी है कि लगातार अपनी ज़मीन-ज़ायदाद इज़्ज़त इनके साथ दांव पर लगाने को तत्पर है। ये भूमाफ़िया शकुनि दुर्योधन व दुशासन की तरह बन बैठे हैं और सरकार व प्रशासन धृतराष्ट्र की तरह अंधा बनकर तमाशा देख रहा है।

पैसों के बलबूते पर शासन और प्रशासन को ज़ेब में बताते ये भूमाफ़िया राजस्थान के अतीक अहमद बन बैठे हैं लेकिन इनका अंत भी उतना ही दर्दनाक होगा अगर योगी सी सरकार का पदार्पण राजस्थान की धरती पर हो गया तो!

बड़े अचरज की बात है कि नगर निगम ग्रेटर मेयर सौम्या के संज्ञान में सारा मामला लाया जा चुका उन्होंने जाँच के आदेश भी दिये लेकिन अब तक कोई कार्यवाही होती दिखाई नहीं दे रही। हालांकि इन भूमाफ़ियाओं को पनपाने वाले पूर्व विधायक अशोक परनामी भी इन सब अतिक्रमणों व अवैध निर्माणों से भलीभांति परिचित हैं और वर्तमान विधायक कालीचरण सर्राफ़ भी सब जानते हैं लेकिन जनरल कास्ट से एससी वर्ग का झूठा शपथपत्र बनाकर पार्षद बनने वाले भूमाफ़ियाओं के मसीहा भी यही लोग हैं।

हिलव्यू समाचार के आगामी अंक और भी करेंगे बड़े खुलासे इन भूमाफ़ियाओं-खाईवालों की अवैध संपत्तियों, अतिक्रमणों व अवैध कार्यों,अवैध निर्माणों के सम्बंध में। क़ानूनी दांवपेंच भी होंगे अगले क़दम में सक्रिय इन भूमाफ़ियाओं के ख़िलाफ़।

गहलोत सरकार की नाक के नीचे मालवीयनगर विधानसभा के विधायक कालीचरण सर्राफ़ (बीजेपी नेता) बने मसीहा पंचवटी सर्कल राजापार्क भूमाफ़िया गैंग के।

सौम्या गुर्जर मेयर, नगर निगम ग्रेटर ने हिलव्यू समाचार की 09 जून को प्रथम अपील की सुनवाई के दौरान पंचवटी सर्कल के अवैध निर्माणों व अतिक्रमणों व भूमाफ़ियाओं के ख़िलाफ़ दिये जाँच के आदेश।

पूर्व मेयर व आदर्शनगर विधानसभा के पूर्व विधायक अशोक परनामी ने अशोक सम्राट की तरह काम किया हो या नहीं किया हो लेकिन इन भूमाफ़ियाओं को पनपाकर व संरक्षण देकर राजापार्क की जनता के विश्वास व अधिकार का संहार ज़रूर किया।

सरकारी व सांस्थानिक ज़मीनों के फ़र्ज़ी और झूठे दस्तावेज़ों से लिखी अतिक्रमण और अवैध निर्माण की कहानी कहता लालपत पार्क।

बब्रूवाल कमेटी की करोड़ों की ज़मीन और सरकारी स्कूल,पुराने डाकघर की ज़मीन पर भूमाफ़ियाओं का कब्जा अब लगातार सुर्खियों में

सरकारी ज़मीन पर अतिक्रमण कर बनी पाँच दुकानों में से चार दुकानें सील हुईं और उनमें एक अवैध दुकान की सील बीस लाख लेकर खोली गई प्रमाणित है कि भ्रष्टाचार के तार नीचे से ऊपर तक जुड़ें हैं! जितेन्द्र गुलाटी को चुप रहने पर भूमाफियाओ द्वारा मिली अवैध दुकान।

ख़बर-बेख़बर

सिंधी कॉलोनी सर्वानन्द पार्क के बाद अब राजापार्क के गुरु गोविंद सिंह पार्क पर भूमाफ़ियाओं का अवैध कब्जा

सुप्रीम कोर्ट के आदेशों की अवमानना कर सार्वजनिक पर पार्क में बन रहा सामुदायिक भवन

गुरुनानकपुरा गुरु गोविंद सिंह पार्क में भूमाफ़ियाओं का कब्जा ज़ोरों पर।

शालिनी श्रीवास्तव
जयपुर (हिलव्यू समाचार)। राजापार्क के भूमाफ़ियाओं को अवैध कब्ज़े करने की हवा यहीं से मिल रही है कि राजापार्क की आम जनता इन भूमाफ़ियाओं के बढ़ते हौसलों पर लगाम नहीं लगवा रही। निजी संपत्तियों,सरकारी संपत्तियों पर नज़रें गढ़ाए रखने वाले यह भूमाफ़िया अब सार्वजनिक स्वास्थ्य लाभ या सुख-सुविधा के साधनों पर भी सेंध लगा रहे हैं। राजापार्क के गुरु गोविंद सिंह पार्क के मुख्य द्वार पर बाएँ हिस्से में अवैध निर्माण चल रहा है। ठेकेदार से जानकारी लेने पर ज्ञात हुआ कि यहाँ सामुदायिक भवन बन रहा है। पार्क के ही परिसर में गुरुद्वारा है उसके पास ही यह निर्माण करवाया जा रहा है। ईश्वरिय आस्था के नाम पर लोगों की आँखों में धूल झौंक कर कब्ज़ा करने वाले इन भूमाफ़ियाओं को हर घर,हर मकान,हर लावारिस ज़मीन,सरकारी ज़मीन, सार्वजनिक संपत्ति अपनी नज़र आने लगती है फिर ये भूमाफ़िया खेल शुरू करते हैं अपनी नियत को अंज़ाम देने का।

विधायक कालीचरण सर्राफ़,नगर निगम ग्रेटर आयुक्त महेंद्र सोनी,नगर निगम ग्रेटर मालवीयनगर जोन उपायुक्त महेश मान,पार्षद स्वाति परनामी या कोई भी नेता,जनप्रतिनिधि या प्रशासनिक अधिकारी इन भूमाफ़ियाओं को नियंत्रित नहीं कर पा रहा ! आख़िर क्यों?

उत्तर मात्र इतना है कि इन सबकी भूख मिटाकर इन्हें खरीद लिया गया है। गहलोत सरकार के कार्यकाल में लगातार हो रहे अवैध निर्माण और अतिक्रमण इस सरकार के फेलियर सिस्टम को प्रमाणित करते हैं साथ ही शासन-प्रशासन की मिलीभगत और भ्रष्टाचार को भी उजाकर करते हैं।

सबसे बड़ी बात यह है कि कांग्रेस सरकार की नाक के नीचे बीजेपी विधायक,बीजेपी पार्षद राजापार्क ही नहीं पूरी राजधानी में भूमाफ़िया,अवैध निर्माणकर्ता और अतिक्रमणकारी बने हुए हैं और गहलोत की कांग्रेस सरकार पंगु बनी तमाशबीन बनी हुई है।

मालवीयनगर जोन नगर निगम ग्रेटर के अधिकार क्षेत्र में सुप्रीम कोर्ट के आदेशों की अवमानना कर भूमाफ़िया कर रहे गुरु गोविंद सिंह पार्क ,गुरुनानकपुरा (सार्वजनिक पार्क) पर अवैध कब्जा व अवैध निर्माण और नगर निगम गहरी नींद में।

ख़ूबसूरत हैं लेकिन खूँख़ार भी बनें अब बेटियाँ

कुलदीप गुप्ता
जयपुर(हिलव्यू समाचार)। देश में लगातार मासूम लड़कियों व औरतों के साथ हो रहे हादसों की वास्तविकता क्या है इसका एक पक्ष रखने में सफल हुई है द केरला स्टोरी मूवी जिसमें उजागर सच ने देश को हिलाकर रख दिया है। आये दिन होने वाले दर्दनाक हादसों से बेटियाँ सहम गयीं हैं।

आख़िर क्या वजह है इन सबके पीछे?

- कहाँ समाज,राज्य या देश चूक कर रहा है?
- कहाँ परिवार और संस्कार पिछड़ गए हैं?
- क्या वजह है कि हालात बद से बदतर होते जा रहे हैं ?
- क्या वजह है कि हिन्दू लड़कियाँ लगातार इन हादसों,ट्रैपिंग या ब्रेनवॉश का शिकार हो रहीं हैं।
- क्या वजह है कि शासन और प्रशासन इसकी जड़ें नहीं काट पा रहा?
- क्या वजह है कि देश की जनता का अब तक ख़ून नहीं खोला है जबकि निर्भया,साक्षी,अंकिता और न जाने कितने दर्दनाक हादसे देश झेल चुका है?

भारत देश के महिला वर्ग को मज़बूत बनाने की मुहिम में हिलव्यू समाचार भी निभा रहा भागीदारी

हिलव्यू समाचार के सौजन्य से दूसरी बार 12 जून को पिंक स्क़्वायर मॉल के आईनॉक्स सिनेमा में 300 से ज़्यादा लड़कियों व महिलाओं ने देखी "द केरला स्टोरी मूवी"

प्रश्न कई हैं लेकिन उत्तर अब तक कहीं नहीं है।

हिलव्यू समाचार इन प्रश्नों के उत्तर की तलाश में है

देश की हर बेटी अब जागरूक हो इसकी मुहिम में लेकिन हिलव्यू समाचार लगातार सक्रिय है। इसी सोच के साथ 29 मई को 270 लड़कियों व महिलाओं को 'द केरला स्टोरी मूवी' दिखाई गई और उसके बाद दूसरे चरण 12 जून में 300 से ऊपर लड़कियों व महिलाओं को 'द केरला स्टोरी मूवी' दिखाई गई। इस बीच एक सेशन चर्चा का भी रहा जिसमें इन हादसों से सीखने व समझने पर ज़ोर दिया गया। माता-पिता व परिवार के संस्कारों को आत्मसात करके जीवन जीने की सीख दी गई। इस मुहिम में हिलव्यू समाचार संपादक शालिनी श्रीवास्तव,सह-संपादक कुलदीप गुप्ता के अलावा कई लोग सहयोगी रहे जिसमें से समाजसेवी सुनील असीजा, दीपक,माया गुप्ता, शोभराज, शालिनी शर्मा, श्वेता गुप्ता,पूनम कल्ला, समाज सेविका सोनिया असीजा, समाज सेविका अनिता असीजा प्रमुख नाम रहे।

प्लॉट न. 250/4 प्लॉट न.270/4 राजापार्क में नगर निगम से परमिशन कुछ और मौक़े पर निर्माण कुछ और?

हिलव्यू समाचार
जयपुर। राजापार्क में अवैध निर्माणों का सिलसिला रुकने का नाम नहीं ले रहा।नगर निगम मालवीय नगर जोन के उपायुक्त महेश मान का खुला भ्रष्टाचार सरकारी तंत्र की ताकत पर लगातार पड़ने वाला तमाचा बन गया है।

औपचारिक व दिखावटी अनुमति लेकर मालवीय नगर जोन नगर निगम ग्रेटर के बिल्डर्स मज़े कर रहे हैं। अनुमति कुछ और होती है लेकिन बिल्डिंग बायलॉज के नियमों,नक़्शे, ले-आउट प्लान के विपरीत काम होता आसानी से देखा जा सकता है। बेसमेंट की परमिशन नहीं होती लेकिन बन रहे हैं,सेटबैक 20-30 फीट छोड़ना है लेकिन 05-10 फीट छोड़कर आसपास की आम जनता की आँखों में धूल और निगम अधिकारियों व कर्मचारियों की जेबों में भ्रष्टाचार के फूल ठूँस कर धड़ल्ले से अवैध निर्माण हो रहा है।

राजापार्क थाना जवाहर के ठीक सामने इसी तरह आमने-सामने दो अवैध निर्माण ज़ोरों पर हैं। एक पर निगम की परमिशन लगी भी हुई है लेकिन सेटबैक में की गई चालाकी साफ नज़र आ रही है इसी के साथ बेसमेंट का निर्माण अवैध निर्माण की कहानी को साफ़-साफ़ बयां कर रहा है। नगर निगम मालवीयनगर जोन उपायुक्त महेश मान का ईमान इन बिल्डरों ने बड़ी आसानी से खरीद लिया है कि कोई कार्यवाही या साईट विजिट ही नहीं होती निगम की ओर से और सम्पूर्ण अवैध निर्माण बहुमंज़िला बनकर खड़ा हो जाता है। आवासीय भूखण्ड में कमर्शियल बनते फ्लैट्स करोड़ों में बिकते हैं। निगम को तो रेवेन्यू का चूना लगता ही है साथ ही साथ इनकम टैक्स को भी कानों कान ख़बर नहीं होती इस काली कमाई की। राजापार्क के रिहायशी इलाके में फ्लैट पाकर क्रेता गदगद हो जाता है उसे पता ही नहीं होता कि वह अवैध निर्माण व काली कमाई का ज़रिया बन गया है। बिना अनुमति के बनने वाले इन निर्माणों में फ़्लैट्स खरीदने वाला जब ठगा जाता है जब सस्ते मैटेरियल से बने फ़्लैट्स में परेशान होता है। बिना फायर एनओसी,बिना अनुमति के बने इन फ़्लैट्स में कई मूलभूत ज़रूरतों के फैलियर का सामना खरीददार को बाद में करना पड़ता है लेकिन तब तक बहुत देर हो जाती है। भ्रष्टाचार की मार इस खरीददार को ही भुगतनी पड़ती है।

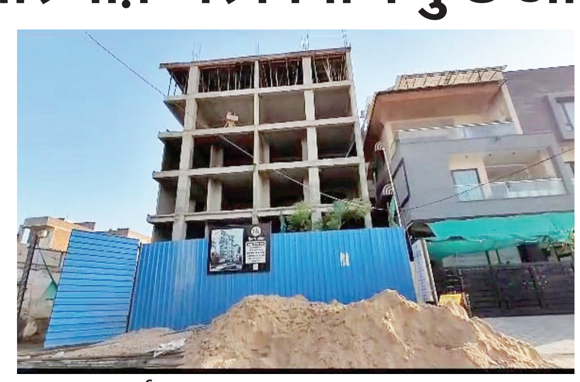

250/4 राजापार्क जवाहर नगर थाने की सड़क के दाईं ओर होता अवैध निर्माण।

270/4 राजापार्क, जवाहर नगर थाने के सामने बायीं ओर होता निगम की परमिशन के विपरीत अवैध निर्माण। निःसन्देह अनुमति का बोर्ड लगा है लेकिन कागज़ों की अनुमति और मौक़े के निर्माण में बड़ा फ़र्क़ आसानी से देखा व समझा जा सकता है।